राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 65
क्राइम किंग
नागराज
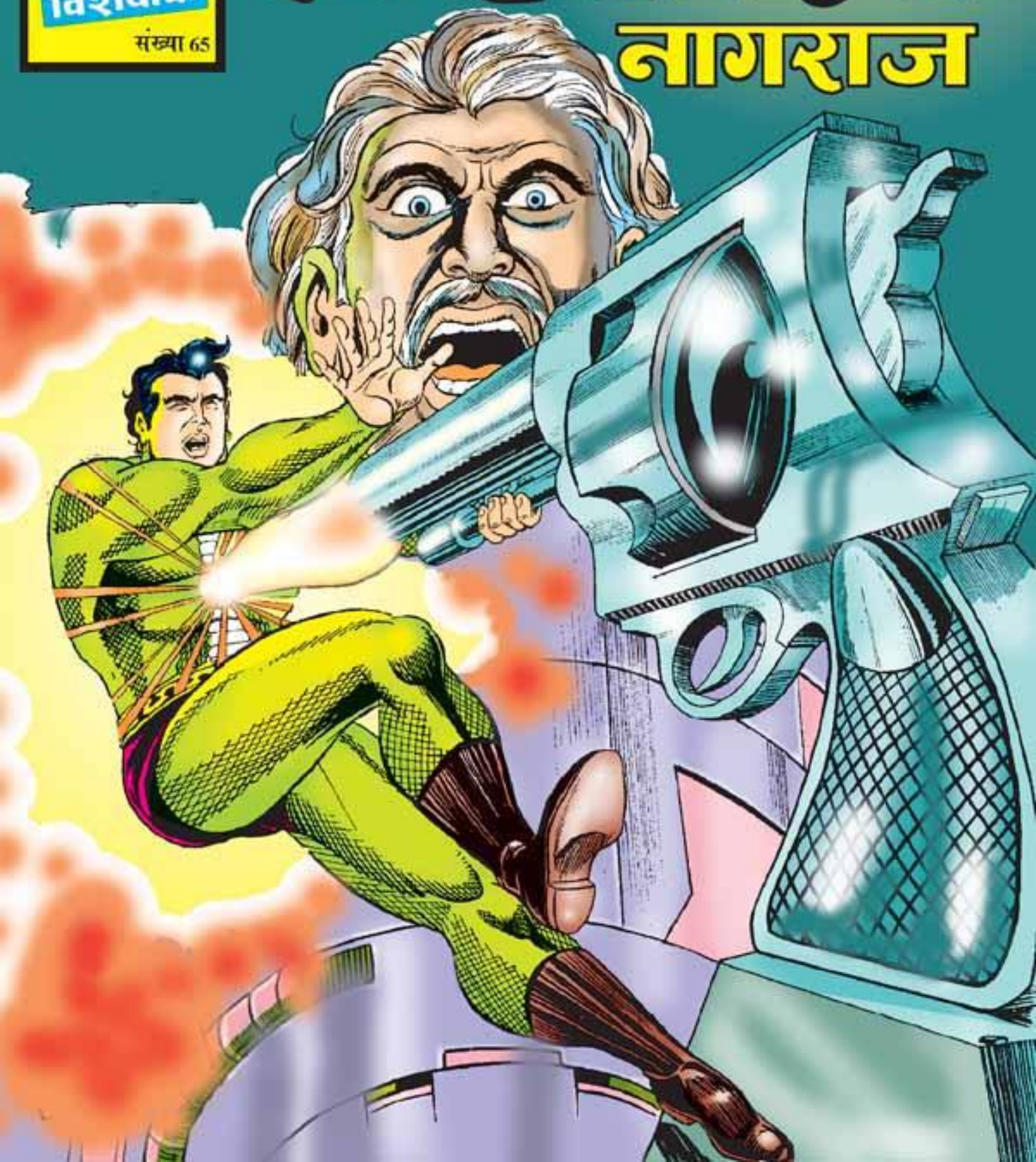
महानगर- राजधानी नागराज का नया घर। और नागराज को अपने घर में गन्दगी पसन्द नहीं। अपराध जैसी गन्दगी। और इसी गन्दगी को दूर करने के लिए नागराज के नाग पूरे महानगर में फैल चुके हैं। जो ढूंढेंगे अपराध के अड्डे। उसकी मानसिक सूचना पहुंचाएंगे नागराज तक...

...और नागराज खत्म करेगा अपराध-साम्राज्य उस अनोखे अपराधी का, जिसको अपराध की दुनिया कहती है...

कथा व चित्र: अनुपम सिन्हा

इंकिंग: बिट्ठल कांबले

सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय

सम्पादक: मनीष गुप्ता
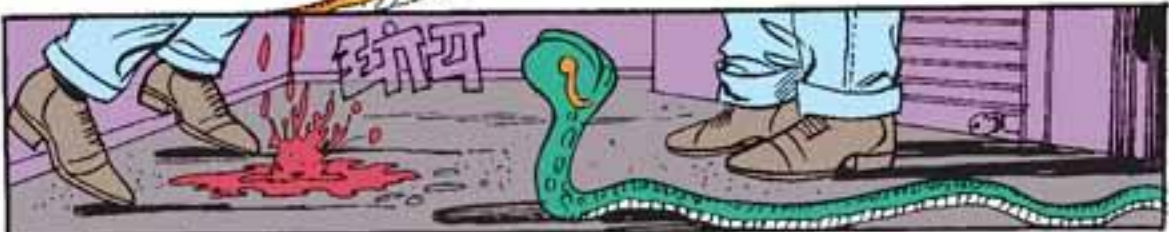
इनमें से कुछ अपराधों से तो नागसेना के सैनिक खुद ही निबट लेते हैं...
हिस्स
आग्गह!
...लेकिन कुछ अपराधों से निबट सकता है सिर्फ उनका स्वामी...
...नागसम्राट नागराज-
मुझे गरलदंत के मानसिक संकेत प्राप्त हो रहे हैं।
वह महानगर के पूर्वी छोर पर स्थित एक गोदाम से मुझे संकेत भेज रहा है... यानी वक्त आ गया है...
...नागराज का...
...महानगर के अपराध-जगत को खत्म करने का अभियान शुरू करने का।
और- महानगर के पूर्वी इलाके गोरीबंदर के एक गोदाम में-
संभल कर! इन पेटियों में बारूद भरा हुआ है। गिरने न पाए!

आऽऽऽह
क्या कर रहा है, बे? खुद ही गिरा दिया न पेटी को! चक्कर आ रहे हैं क्या?
स... सांप! सांप!
एक सांप से डर रहा है?
अभी इसका काम तमाम किए देता हूं।
ले!
संभल कर...
अरे! अरे! यह क्या?
यह सांप तो... उड़ रहा है!
और... और... उस कलाई के अन्दर समा रहा है...
...इसका तो एक ही मतलब है, शाही...

सोचो, खूब सोचो! लेकिन इस टूटे बक्से ने मुझे यह जरूर बता दिया है कि मैं पहुंचा सही जगह पर हूं।
और अब तुम लोगों को भी सही जगह पर पहुंचा दिया जाए। जेल में!
... कि अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद का दुश्मन नागराज यहां पर आ चुका है।
नागराज महानगर में? लेकिन ये यहां तक कैसे पहुंच गया?
भून डालो इसको!
बड़े मूर्ख अपराधी हो! मुझे जानते हो, पर मेरी शक्तियां नहीं जानते!
तड़, तड़, तड़, तड़, तड़
धांय धांय धांय
बूम बूम बूम बूम बूम
वैसे तो गोलियों से मुझे ना ही तकलीफ होती है...
... लेकिन इस वक्त हम लोग बारूद से भरे एक गोदाम में खड़े हैं...

... और धमाकों से मेरे कानों को बहुत तकलीफ होती है।

इसलिए सबसे पहला काम तो तुम लोगों के हाथों से इन खतरनाक खिलौनों को आजाद करवाना है।

और उसके तुरन्त बाद...

... तुम लोगों के दिमागों को...

भाड़!

... अच्छी तरह से हिलाना है...

... ताकि तुमको यह याद आ जाए कि तुम किसके लिए काम करते हो! बोलो! किसका है यह गोदाम? कौन है तुम्हारा मालिक?

यह हम तुमको नहीं बता सकते नागराज ! क्योंकि अगर हमने तुमको कुछ बताया तो हम जिन्दा नहीं बचेंगे !
और अगर तुम लोगों ने मुझे यह नहीं बताया, तो भी तुम लोग जिन्दा नहीं बचोगे !
हम जानते हैं कि तुम्हारे चंगुल में आकर बच निकलना असंभव है नागराज ! हम तो दोनों तरफ से मारे जाएंगे ...
EXPLOSIVES
... लेकिन अगर हम डूबेंगे ...
... तो तुम भी हमारे साथ डूबोगे नागराज !
हिस्स
ओह नो !
नागराज, अगर बिजली की सी फुर्ती न दिखाता ...

★ भारती एक 'सेटेलाइट-चैनेल में काम करती हैं।

आखिर हम जा कहां रहे हैं, नागराज?
बिजनेस शुरू करने के लिए पहला कदम उठाने भारती! अगर हम किसी व्यापार में पैसा लगाने जा रहे हैं, तो उस पैसे का सही हिसाब-किताब होना बहुत जरूरी है।
वर्ना कल को यह सवाल कभी भी उठ सकता है कि 'भारती कम्यूनिकेशन' के पास वह करोड़ों रुपया आखिर आया कहां से!
बात तो सही है। इस बारे में तो मैंने सोचा ही नहीं! फिर तुम क्या करने जा रहे हो?
मैंने अपने खजाने का एक हिस्सा सरकार को सौंप देने का निर्णय लिया है, भारती! उसके एवज में सरकार हमें उसके मुआवजे के रूप में काफी पैसा देगी!
और वह सारा सफेद धन होगा।
वाह! ठीक वैसा ही, जैसे सरकार ने हैदराबाद के निजाम का खजाना लेने के समय किया था।
हां! और यह पूरा काम अत्यंत गुप्त रूप से होगा!
यह मेरा अनुरोध था, और मंत्रालय ने मेरा यह अनुरोध मान लिया है।
अभी हम इसी मंत्रालय के मिनिस्टर से मिलने जा रहे हैं भारती!

इसी वक्त-
महानगर में ही किसी अज्ञात स्थान पर-
गुलाम अंदर आने की इजाजत चाहता है, महामहिम हेड !
आओ, तमारा !
हेड को गुलाम का सलाम !
क्या तुम हेड को यह बताने आए हो कि कल रात को हमारा गोदाम नंबर 24 जलकर राख हो गया। और हमारे तीन आदमी मारे गए?
नहीं, स्वामी ! मैं जानता हूं कि महानगर में घटने वाली हर घटना का आपको तुरन्त पता चल जाता है। मैं आपको यह बताने आया हूं कि खबर एकदम पक्की है। गोदाम, नागराज ने ही नष्ट किया है !
हुम ! मुझे शक तो था कि कहीं पुलिस ने कोई मनगढ़ंत कहानी तो नहीं बनाई है ! नागराज का नाम लेकर हमें डराने के लिए !
लेकिन ऐसा नहीं है ! नागराज सचमुच महानगर में ही है। खैर, घबराने की जरूरत नहीं है। नागराज किसी एक जगह पर टिक कर नहीं रहता...
... वह महानगर में ज्यादा दिन तक नहीं रहेगा !
इसलिए जब तक वह इस शहर में है तब तक सारे धंधे बंद कर दो !

हम खामख्वाह कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहते हैं!
जो आज्ञा महामहिम!
ये था महानगर के अपराध- जगत का सुप्रीम डॉन- हेड -
जिसका ख्याल पूरी तरह से गलत था-
महानगर में नागराज जाने के लिए नहीं आया था-
हमने तुम्हारे द्वारा सरकार को दिए गए रत्नों का मूल्यांकन करवाया है नागराज! वैसे तो वे रत्न बेशकीमती हैं...
... लेकिन उनके मुआवजे के रूप में सरकार ने तुमको 65 करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया है। इस राशि का चेक तुमको तीन- चार दिनों में मिल जाएगा।
मैंने आपसे यह मामला गुप्त रखने का अनुरोध किया था, सर! इसीलिए मैं चाहता हूं कि यह चेक मेरी सहयोगी मिस भारती के नाम पर हो!
तुम्हारी प्रार्थना वैसे तो असामान्य है नागराज! लेकिन देश के प्रति तुम्हारी सेवाओं को देखते हुए, हम तुम्हारी बात मानने को बाध्य हैं।
धन्यवाद सर! अब हमें इजाजत दीजिए!
अगर आगे कोई आवश्यकता हुई तो मिस भारती आकर आपसे मिल लेंगी।
वाह, नागराज! तुमने तो एक बड़ी समस्या को चुटकी बजाते ही आसान कर दिया!
तुम्हारा भी जवाब नहीं!

अब तो तुम मेरे साथ चल सकते हो न! मेरे बॉस से मिलने!
अभी मिलने का कोई फायदा नहीं है, भारती! चेक मिल जाने के बाद बात करें तो ज्यादा अच्छा रहेगा!

DIAN MINIST
OF RESOURCE &

वैसे भी, मैं पहले ही कह चुका हूं कि मैं इस पूरे मामले में सामने आना नहीं चाहता! क्योंकि मैं यह जाहिर नहीं करना चाहता कि 'भारती कम्यूनिकेशन' से नागराज का कोई संबंध है!

यदि यह संबंध जाहिर हो गया तो मेरे दुश्मन, 'भारती कम्यूनिकेशन' को अपना निशाना बनाना शुरू कर देंगे। और फिर मेरा नागराज से राज बनने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

मैं 'भारती कम्यूनिकेशन' में एक मामूली कर्मचारी बनकर ही काम करूंगा। और तुम रहोगी, 'भारती कम्यूनिकेशन' की मालिक...
...और दुनिया के सामने राज का और तुम्हारा कोई संबंध नहीं रहेगा।

वैसे भी, अभी मेरे लिए यह पता करना ज्यादा जरूरी है कि वह गोले-बारूद से भरा गोदाम, देश के किस गद्दार का था!

अगले कुछ दिनों तक, महानगर के अपराधियों के बीच में नागराज का आतंक छाया रहा–
कुछ धंधे तो सुप्रीम हेड ने खुद बंद कर दिए थे–
और बाकी धंधे नागराज ने बन्द करवा दिए। और हर अपराधी से नागराज का एक ही सवाल था–
कौन है अवैध गोले-बारूद और हथियारों का सौदागर? कहां रहता है देश का वह गद्दार?

लेकिन नागराज को हर जगह से एक ही जवाब मिला –
मुझे नहीं मालूम !
प...पता नहीं !
कसम लेलो मां की ! हम कुछ नहीं जानते !
पुलिस भी नागराज की कोई मदद न कर पाई –
कुछ पता चला, कमिश्नर साहब ?
नहीं नागराज ! तुमने जितने अपराधी पकड़कर हमारे हवाले किए थे, हमने उन सबकी चमड़ी उधेड़ दी ! पर कोई अपना मुंह खोलता ही नहीं !
ओह ! यानी इतनी मेहनत का कोई फायदा नहीं हुआ !
फायदा महानगर को हुआ है, नागराज ! इतने सालों में पहली बार कल किसी भी थाने में कोई भी आदमी रिपोर्ट लिखाने नहीं आया !
अपराधियों के साथ-साथ अपराध भी एकदम गायब हो गया है। तुम्हारे आने से तो महानगर की तो काया ही पलट गई है !
यह शांति अस्थायी है कमिश्नर साहब ! जब तक मुख्य अपराधी पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक खतरा बना ही रहेगा !

नागराज का ख्याल सही था-
यह शांति, तूफान के पहले की शांति थी-
हूम ! यानी नागराज ने पूरे महानगर में अपराधियों का कारोबार ठप्प कर दिया है। हमको रोज लाखों रुपयों का नुकसान हो रहा है। और वह नागराज, महानगर से जाने का नाम ही नहीं ले रहा !
हां, महामहिम!
हमारे धंधे बंद कर देने के बाद भी वह हमारे अड्डों तक पहुंच गया, सुप्रीम हेड! और उसने उनको भी तबाह कर दिया।
लेकिन वह हमारे अड्डों तक पहुंचा कैसे? वे तो अत्यन्त गुप्त जगहों पर थे। यह पता करना ही पड़ेगा कि कहीं हममें कोई गद्दार तो नहीं!
ऐसा असंभव है, महामहिम!
हूम ! अभी हमारे कितने ठिकाने बचे हुए हैं ?
सिर्फ एक महामहिम!
वेरी गुड। नागराज वहां पर जरूर आएगा! और जल्दी ही आएगा!
वहां पर नागराज के स्वागत का इंतजाम करके रखो!
पूरा इंतजाम।
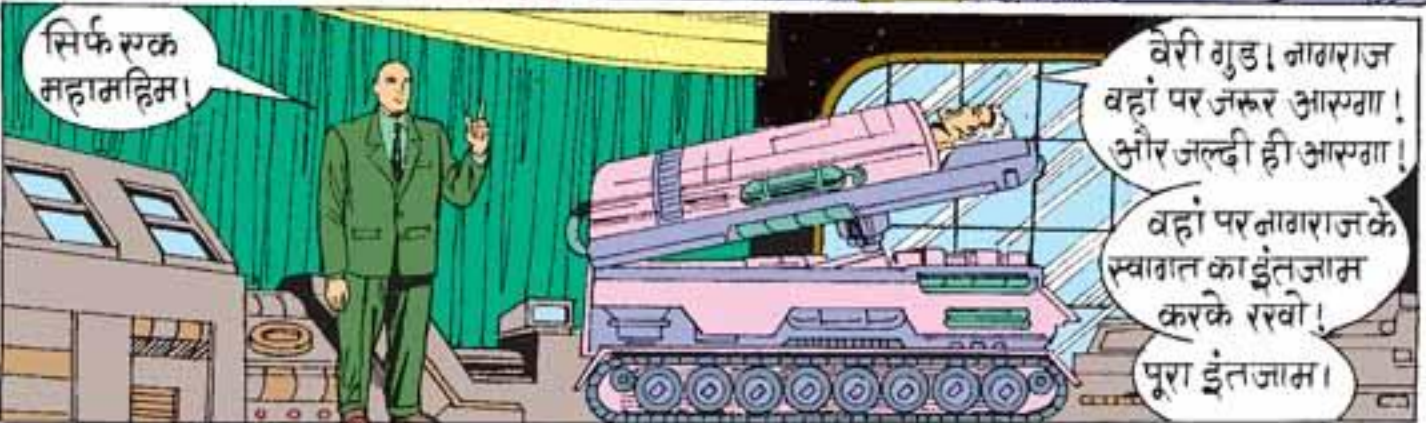
इसी वक्त - महानगर के दूसरे हिस्से में -
मैं पहले भी कह चुका हूं और फिर से कह रहा हूं, डॉन पाशा ...
... आपका पैसा मैं एक महीने के अंदर-अंदर चुका दूंगा! पाई-पाई।
वह कल की बात थी, मिस्टर पहलेजा! आज की बात करो!
पैसा हमको आज चाहिए! अभी चाहिए! नागराज ने हमारे सारे धंधे बंद करा दिए हैं। पैसे की सख्त कमी हो गई है!
जब तुमको जरूरत थी, तब हमने तुमको पैसे दिए! जितने चाहे उतने दिए। और वह भी उस वक्त जब बैंकों ने भी तुमको उधार देने से मना कर दिया था।
आज हमको पैसों की जरूरत है! इसलिए हमारे पैसे चुका दो!
जल्दी से जल्दी!
मुझे एक हफ्ते का वक्त दो! मुझे अपनी 'सैटेलाइट कंपनी' के लिए नए पार्टनर मिल गए हैं!
उनसे पैसा मिलते ही मैं वह पैसा तुमको दे दूंगा! ओ० के० ?
ठीक है! एक हफ्ते का वक्त दिया! लेकिन अगर एक हफ्ते में पैसा हमारे पास न पहुंचा, तो उस खाली फ्रेम में तुम्हारी फोटो लगवाकर तुम्हारे घर-वालों को भेज दी जाएगी!...
... फूल मालाएं चढ़ाने के लिए! समझ गए न! अब जाओ और पैसों का इंतजाम करो!

और उसी रात को– नागराज की सर्प-सेना एक बार फिर महानगर का कोना-कोना छान रही थी–
और नागराज उनसे मानसिक संपर्क बनाने के लिए 'ध्यान-मुद्रा' में लीन था–
आज कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं। अपराधी काफी चालाक है। पहले तो उसने अपने सारे धंधे बंद कर दिए थे, ताकि मैं उनका पता न लगा सकूं। लेकिन मेरी सर्प सेना ने उन बन्द जगहों का पता भी लगा लिया था। पर आज तो कुछ भी··· ओह! मुझे संकेत मिल रहे हैं···
··· ये तो सर्प विषकूट के संकेत हैं। उसने किसी अपराधिक अड्डे का पता लगाया है···
··· मैं इन मानसिक संकेतों का पीछा करता हूं!

कुछ ही देर में नागराज अपनी मंजिल के सामने खड़ा था -
संकेत यहीं से आ रहे हैं।
सामने दो कारें भी खड़ी हैं। जरूर यही मेरी मंजिल होगी।
लेकिन... लेकिन यह क्या? मुझे एकाएक मानसिक संकेत मिलने बंद कैसे हो गए?
विषकूट! विषकूट! तुम कहां हो?
जवाब अगले ही पल नागराज के सामने आ गिरा -
धड़ाम
?
विषकूट!
यह तो मृत है! लेकिन यह अभी-अभी मरा होगा! क्योंकि अब तक सिग्नल मुझे मिल रहे थे।
और इस घटना से एक बात साफ हो गई! और वह यह कि ये गुंडे मेरा ही इंतजार कर रहे थे...
... इसीलिए इन लोगों ने विषकूट को ढूंढ़ लिया और उसे मार दिया!
इन दुष्टों को इस हत्या का दंड तो देना ही होगा।

हालांकि मुझे अच्छी तरह पता है कि वे मुझे मारने की पूरी तैयारी करके बैठे हुए होंगे!
दरवाजा टूटते ही कई घातक हथियार नागराज के शरीर में आ धंसे-
नागराज का शरीर, ऐसे जख्मों को सहने का आदी था-
तड़
धम्म्
लेकिन गुंडों के शरीर ऐसे वारों को सहने के आदी नहीं थे-
और कुछ ही मिनटों के अंदर-
धड़
खत्म हो गया अपराध के कीड़ों का एक और घर!
नहीं, नागराज! यह ट्रेलर तो सिर्फ इसलिए था...

...ताकि करेंटर तेरी फाइटिंग-स्टाइल को देख सके!
करेंटर ने तेरी फाइटिंग-स्टाइल देख ली है! और अब करेंटर तुझे ठीक उसी तरह से मारेगा...
...जैसे करेंटर ने उस सांप को मारा था!
एक झटके से!
सटाक
आह!
इसकी तलवार में तो करेंट दौड़ रहा है।
इस पर मेरी शक्तियां असर नहीं कर पाएंगी!
क्योंकि इसका लबादा भी धातु के तारों से बना हुआ लगता है।
...और उसमें भी करेंट दौड़ रहा है।
चूंकि मैं इसको, इसके बॉस का पता जानने के लिए जिन्दा पकड़ना चाहता हूं...
...इसलिए मैं इस पर तेज विष-फुंकार छोड़ नहीं रहा...
...और मेरी हल्की विष-फुंकार को इसका मास्क बे-असर किए दे रहा है।
फूऊऊ

तू मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता नागराज !

लेकिन मेरी तलवार तेरा हुलिया बिगाड़कर रख सकती है !

खचाक

आह !

यह तो बहुत तेज तलवार चलाता है! एक तो मेरा हाथ कट गया और ऊपर से झटका लगा सो अलग।

झाक

लेकिन-

आईऽऽऽ

तेरी चीखें निकलती ही रहेंगी, नागराज...

...क्योंकि मैं बड़े आराम से तेरा एक-एक अंग काटूंगा।

इससे अगर कोई निबट सकता है तो सिर्फ मेरा रबर-सोल का बूट !

ओह! इसको तो जिन्दा पकड़ना मुश्किल लग रहा है! अब इस पर तेज विष-फुंकार का वार करना ही होगा।
हाऽऽह!
एक मिनट! अजीब बात है! यह अपने हाथ की दोनों तलवारों को एक-दूसरे के आस-पास भी फटकने नहीं दे रहा! पर क्यों? अगर ये तलवारें एक-दूसरे से छू जाएंगी तो क्या होगा?
अभी देख लेते हैं।
तलवारों के एक-दूसरे से छूते ही चिंगारियों से कमरा चमक उठा—
और अगले ही पल- करेंटर की चीखें कमरे में गूंज उठीं—
आऽऽऽह

आह! तो मेरा सोचना सही निकला! ये दोनों तलवारें, बिजली के दो पॉजिटिव और निगेटिव तारों की तरह थीं!

जो जब आपस में छूते हैं तो शार्ट-सर्किट हो जाता है! खत्म हो गया करेंटर...

...लेकिन... लेकिन ये तो बाहर भाग रहा है!

शायद अब इसका मुझसे झगड़ा करने का मूड नहीं है! लेकिन मैं इसको भागने नहीं दूंगा, क्योंकि मुझे इसके बॉस का पता पूछना है।

ओह! वह कार में भाग निकला!

लेकिन यहां पर एक और कार खड़ी है। यह शायद उन गुंडों की कार होगी, जिनको मैंने बेहोश कर दिया है!

लेकिन अब यह कार मेरे काम आएगी।...

...उस कार का पीछा करने के लिए...

वह रही कैरेंटर की कार!

अब कुछ ही सेकेंडों में मैं उसको पकड़कर उसकी ज़ुबान खुलवा दूंगा!

लेकिन यह क्या? ये कार मेरे कंट्रोल से बाहर हो रही है! लगता है... जैसे ये अपने-आप चल रही हो...

... ये मुझे महानगर के बाहर पहाड़ियों की तरफ ले जा रही है...

... उधर जाने का तो एक ही मकसद हो सकता है...

... यह मुझे पहाड़ियों से गिराकर मारने का षड्यंत्र है।

लेकिन मुझे मरने का फिलहाल कोई शौक नहीं है। यह कार चाहे तो खड्ड में गिर सकती है। लेकिन मेरे बगैर!

लेकिन इस चक्कर में वह करेंटर मेरे हाथ से निकल गया। पर एक फायदा भी हुआ है।...
... इस कार के खड्ड में गिरने से दुश्मन यही समझेगा कि इसके साथ मैं भी...
अरे! यह क्या? यह कार तो बैक हो रही है... वापस ऊपर चढ़ रही है। आश्चर्य है!
लेकिन नागराज के लिए 'आश्चर्य' तो अभी सिर्फ शुरू हुआ था। उसकी आश्चर्य से फैली आंखों का अभी और फैलना बाकी था-
यह क्या?
क्योंकि उसकी आंखों के सामने...
...वह कार धीरे-धीरे...
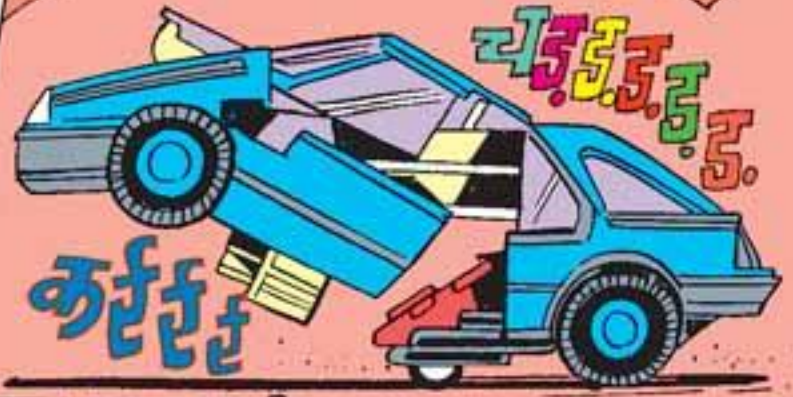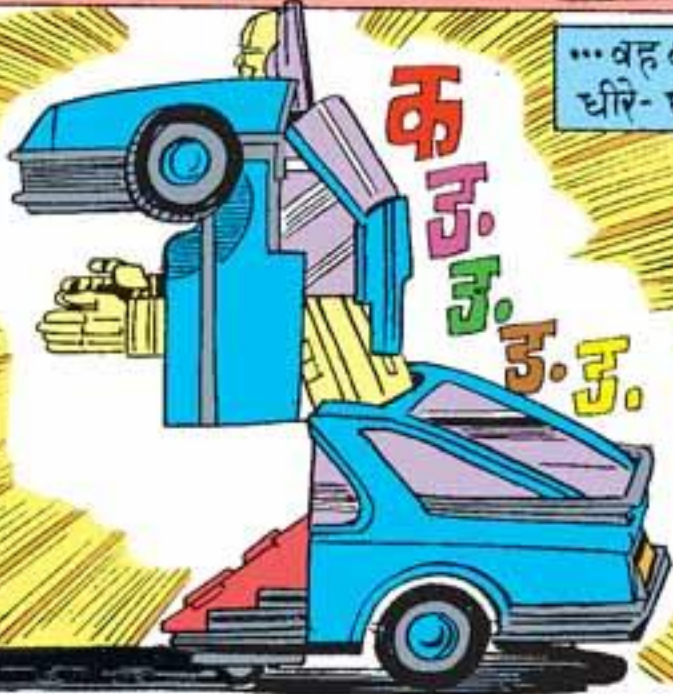
...एक रोबोट में तब्दील हो रही थी–

?

हे देवकालजयी! यह कार तो देखते ही देखते एक रोबोट में बदल गई। और ऐसा होने का एक ही कारण हो सकता है...

... और वह यह कि जिस अपराधी ने इस कार को भेजा है, वह सारा दृश्य देख रहा है। और उसने मुझे मौत देने का पूरा इंतजाम कर रखा है...
... पहले मकान के अंदर गुंडों ने मुझ पर हमला किया...
कड़ाऽऽऽक
... उनसे मेरी जान बच जाने की स्थिति में करेंटर मेरे लिए तैयार था...
... और उससे बच जाने की स्थिति में उसका भागना और मेरे लिए एक कार का वहां पर होना पहले से ही तय था।
... ताकि वह रिमोट कंट्रोल कार मुझे साथ लेकर खड्ड में गिर जाए...
... और अगर मैं उससे भी बच गया...
तड़ाऽऽऽ
... तो इस कार का रोबोट बनकर मुझ पर हमला करना भी पहले से ही तय था।
लेकिन जहां तक मैं समझता हूं, यह उस अज्ञात अपराधी का आखिरी वार है। इसको खत्म करने के बाद यह लड़ाई भी खत्म हो जाएगी!

लेकिन कैसे? इस रोबोट पर न तो मेरी विष-फुंकार काम करेगी, न सर्प-सेना और न ही सम्मोहन शक्ति!
धड़ाक
हा हा हा! अब तेरा अंत आ गया है नागराज!
हा हा हा! अब तेरा अंत आ गया है नागराज!
तेरी कोई भी शक्ति मुझ पर काम नहीं करेगी...
...लेकिन मैं तेरा अंत करके ही तुझे छोड़ूंगा।
ले संभाल मेरा एक और लेसर ब्लास्ट!

इस बार का लेसर ब्लास्ट बहुत शक्तिशाली था -

चट्टान के नुकीले टुकड़े तो हवा में उड़े ही उड़े, साथ ही साथ चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा भी पिघल गया -

उफ! बाल-बाल बचा!

तूने मुझे नष्ट कर दिया है, नागराज !
पर तू अभी जीता नहीं है ! मैंने अपने अंदर लगा 'इमर्जेंसी डिस्ट्रक्शन-सर्किट' चालू कर दिया है।
अब से पांच सेकेंड के अंदर मेरा शरीर बम की तरह फट पड़ेगा !
बचकर भाग सकता है, तो पांच सेकेंडों में भाग ले !
पांच सेकेंडों में मुझे तो कहीं नहीं भागना है...
...लेकिन मुझे यह जरूर देखना है कि इन पांच सेकेंडों में...
टिक..टिक..
...तुम कितनी नीचे गिर सकते हो !
टिक..टिक
टिक..
टनकं
एक धमाके के साथ कार रोबोट के चिथड़े उड़ गए-
बड़ाम म म म
नागराज यह भीषण जंग जीत चुका था-

और सुप्रीम हेड, अपनी सारी कोशिशों के बावजूद नाकाम हो गया –
नहीं! यह नहीं हो सकता! सुप्रीम हेड के शिकंजे से कोई नहीं बच सकता…
…नागराज भी नहीं!
नागराज की ताकत को हमने कम आंका था तमारा! लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा! नागराज मरेगा और जरूर मरेगा!
क्योंकि इस बार उसको हम मारेंगे!
आप उसको मारने खुद जाएंगे, सुप्रीम बॉस?
शेर का शिकार, खुद चलकर उसकी मांद में आएगा! तुम सिर्फ उसके बारे में जानकारी इकट्ठी करो! जितनी जानकारी मिल सके, उतनी!
नागराज मरेगा और जरूर मरेगा।
कोई नागराज की मौत की तलाश कर रहा था…
…और कोई नागराज की जिन्दगी को तलाश कर रहा था–
उफ! पिछले कई दिनों से नागराज की कुंडली की गणना करता आ रहा हूं। परन्तु हर बार कोई न कोई चूक हो जा रही है!
लेकिन आज मैं इस सत्य की गणना करके ही उठूंगा, कि नागराज के जीवन के वे अज्ञात चालीस वर्ष किस गुप्त स्थान पर व्यतीत हुए…

मेरी गणना पूर्ण तो नहीं हुई है। परंतु जहां तक मैं समझ पाया हूं...
... उन चालीस वर्षों के दौरान नागराज ६७ डिग्री अक्षांश और ७ डिग्री देशांतर पर था।
परंतु यह कैसे हो सकता है?
जहां तक मैं जानता हूं, उस स्थान पर तो भारतीय महासागर है...
... पानी के अलावा वहां पर कुछ नहीं। वैसे भी वह स्थान तक्षक नगर से काफी दूरी पर है। नागराज वहां तक कैसे जा सकता था?
जरूर मेरी गणना में कहीं गलती हो रही है। मुझे शुरू से एक बार फिर गहन गणना करनी होगी।
वेदाचार्य यह नहीं जानते थे कि उनकी गणना में कहीं कोई गलती नहीं थी-
क्योंकि उस स्थान पर स्थित था दुनिया की निगाहों से छिपा हुआ...
...नागद्वीप-
संभलकर आगे बढ़ना भुजंगदूत! द्वीप के इस भाग के बारे में कोई नहीं जानता! कोई कभी भी इधर नहीं आया।
इसीलिए तो कारागृह से भागे उस बंदी क्रूरसर्पी ने छिपने के लिए इस भाग को ही चुना है।
लेकिन वह छिपेगा कहां? आज नहीं तो कल वह पकड़ा...
... ओह! वह रहा क्रूर-सर्पी!
आह! परंतु ये अचेत है या सो रहा है?
ओह! ये तो मृत है!
मृत? परंतु कैसे?

देखने से तो लगता है कि ये विष से मरा है। इस झाड़ के विषैले फल खाकर। इसका शरीर भी नीला पड़ गया है।
विष से मृत्यु! वह भी नागद्वीप के एक नाग-मानव की! परंतु कैसे?
आश्चर्यजनक समाचार, राजकुमारी विसर्पी तक भी पहुंच गया–
एक नागमानव की विष से मृत्यु! परंतु नागमानवों को तो सिर्फ महात्मा कालदूत का विष ही मार सकता है!
मैं महात्मा कालदूत के पास यह जहरीला फल लेकर जाऊंगी, और उनसे इस मामले पर प्रकाश डालने की प्रार्थना करूंगी!
आप भी मेरे साथ चलेंगे, महामंत्रीजी!
जी आज्ञा, राजकुमारी जी!
महात्मा कालदूत वह फल देखते ही चौंक गए–
इस फल में तो देव कालजयी का विष है! इस फल को मेरा शत-शत प्रणाम!
परंतु यह विषभरा फल नागद्वीप में कैसे आया? जहां तक मैं जानता हूं, कालजयी देव ने तो इस द्वीप पर कभी दर्शन नहीं दिए!

देव कालजयी
बीच में बोलने के लिए क्षमा चाहता हूं, महात्मा! लेकिन मुझे एक बहुत पुरानी बात याद आ रही है!
कैसी बात महामंत्री?
करीब 60-65 साल पुरानी बात महात्मा कालदूत! देव कालजयी स्वयं तो यहां नहीं आए थे, परंतु उन्होंने स्वप्न में कुमारी विसर्पी के पिता महाराजश्री मणिराज को दर्शन दिए थे...
... और उनके आदेश से महाराज बाहरी दुनिया में जाकर एक शिशु को यहां नागद्वीप में लाए थे। उस शिशु को उसी स्थान पर रखा गया था, जहां पर उस कैदी क्रूरसर्पी का विष से मृत शरीर मिला था...
... महाराज ने उस स्थान को निषिद्ध घोषित कर दिया था। महाराज की व्यक्तिगत सेविकाओं और राजवैद्य के अलावा वहां पर कोई नहीं जा सकता था!
बाहरी दुनिया का शिशु यहां नागद्वीप में आया था! मुझे इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई?
आप उस समय समाधि में लीन थे महाराज! आपका ध्यान भंग करने का साहस किसी में नहीं था।
उसके बाद वह शिशु कहां गया?
इस बारे में मुझे कुछ पता नहीं, महात्मा!
कौन था वह अद्‌भुत शिशु?
कहां पर होगा इस वक्त वह शिशु?
और... और जिन्दा होगा भी या नहीं?

वह शिशु जिन्दा भी था, सकुशल भी था...
...और इस वक्त महानगर में था-
आपने मुझे याद किया, मैडम भारती?
हां राज! इनसे मिलो! ये हैं मेरे भूतपूर्व बॉस मिस्टर पहलेजा! हमारे होने वाले पार्टनर!
और मिस्टर पहलेजा, ये हैं मिस्टर राज! मेरे पर्सनल असिस्टेंट और हमारी 'भारती-कम्युनिकेशन' के पी० आर० ओ०, यानी पब्लिक रिलेशन ऑफीसर!
हैलो मिस्टर पहलेजा!
हां, तो अब काम की बात शुरू की जाए!
तो मिस्टर पहलेजा, आपका क्या ऑफर है?
यह तो तुम जानती ही हो भारती कि हमारी कंपनी की अपनी सेटेलाइट है। इसलिए पार्टनरशिप की कीमत कम से कम चालीस करोड़ तो होनी ही चाहिए!
तुम्हारा क्या कहना है, राज? चालीस करोड़ मुझे तो जरा ज्यादा लगते हैं। वैसे भी मिस्टर पहलेजा की कंपनी अभी काफी घाटे में जा रही है।
मेरे ख्याल से पैंतीस करोड़ ज्यादा ठीक रहेंगे! और कंपनी में 51 प्रतिशत हिस्सा! ताकि कंपनी का मैनेजमेंट हमारे पास रहे।

शटअप! मालिकों के बीच में नौकरों का बोलना बदतमीज़ी होती है मिस्टर राज़!
म... मैंने तो सिर्फ मैडम भारती को अपनी राय दी थी।
अपनी राय अपने पास रखो!
मैं जानता हूं कि भारती के लिए क्या अच्छा है!
शांत हो जाइए मिस्टर पहलेजा!
मिस्टर राज़ सिर्फ मेरे पी॰ ए॰ ही नहीं, मेरे सलाहकार भी हैं। इनकी सलाह के बगैर मैं कोई काम नहीं करती!
आप बताइए कि आपको हमारा ऑफर मंजूर है या नहीं?
ये राज़ तो बड़ा सयाना निकला! भारती को तो मैं चुटकी बजाते ही पटा लेता...
...लेकिन इस दो कौड़ी के नौकर ने सब गड़बड़ कर दिया। खैर, इससे भी निबट लूंगा कभी न कभी!
इस वक्त तो डॉन पाशा के पैसे वापस करने ज्यादा जरूरी हैं...
...वर्ना अपना राम-नाम-सत्य हो जाएगा। फिलहाल ऑफर मानने के सिवाय कोई चारा नहीं है।
ठीक है भारती... अर... मैडम भारती... मुझे आपका ऑफर मंजूर है।
गुड! आप पार्टनरशिप के पेपर तैयार करवाइए! मिस्टर राज़ के उन पेपरों को देख लेने के बाद, मैं साइन कर दूंगी।
ओ॰ के॰ भारती! मैं पेपर लेकर कल आता हूं!
गुडनाइट, मिस्टर राज़!
गुडनाइट, मिस्टर पहलेजा!

हां, तो बॉस... मैंने एकदम परफेक्ट काम किया न!
परफेक्ट, भारती! अब मुझे एक गिलास दूध पिलाओ!

वापस लौटते पहले जा के दिमाग में कई सवाल घुमड़ रहे थे–
ये राज आखिर है कौन? पहले तो इसे भारती के साथ कभी नहीं देखा!
कुछ भी हो! आदमी काफी चालू लगता है, और सयाना भी!
लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह है कि भारती के पास एकाएक इतनी बेशुमार दौलत आई कहां से?
एक तरफ सवालों के जवाब ढूंढे जा रहे थे...

...और दूसरी तरफ-सवालों के जवाब मिल चुके थे–
सुप्रीम हेड को तमारा का आदाब!
ये रही नागराज से संबंधित सारी जानकारियों की कंप्यूटर डिस्क!

इसको मैं आपके कंप्यूटर में लोड करके चला देता हूं।

शाबाश तमारा! मुझे इन जानकारियों को ठीक से पढ़ लेने दो!
और फिर देखो नागराज की मौत का तमाशा!
NAGRA
INFORMAT

अगली रात- महानगर में एकदम शांति रही। न तो सर्प-सेना के सैनिक कुछ ढूंढ सके, और न ही नागराज —

लेकिन अपराध तो वह जंगली झाड़ होता है जो बार-बार जड़ से उखाड़ने पर भी फिर उग आता है —

और फिर- अगली रात को ही एक चीख ने अपराध के उस सन्नाटे को तोड़ दिया-

बचाओ! बचा... ओप!

जल्दी से माल निकाल लूं...

... वर्ना कहीं नागराज आ गया तो...

ये मामूली गुंडे हैं। उस चालाक अपराधी के आदमी नहीं लगते।

वैसे भी ये मेरा मुकाबला करने के बजाय भागने की कोशिश कर रहे हैं।...

...खैर! वह अपराधी कभी न कभी तो मुझ पर हमला जरूर करेगा!

तब तक मैं अपनी सर्प-सेना से मानसिक संपर्क बनाए रखूंगा!

धन्यवाद नागराज! मैं तुम्हारा अहसान हमेशा याद रखूंगी! आज तुमने मेरी जान बचाई है और इज्जत भी!

लेकिन तुम हो कौन? ऐसे कपड़े पहनकर रात के इस सन्नाटे में क्यों घूम रही हो?

यह मेरा शौक नहीं, मजबूरी है नागराज! मैं 'औथेलो क्लब' में एक कैबरे डांसर हूं। परिस्थितियों से मजबूर होकर यह पेशा मुझे अपनाना पड़ा। आज लेट होकर के घर जा रही थी तो रास्ते में मेरी कार खराब हो गई।

इस शार्ट-कट से पैदल जा रही थी तो गुंडों ने घेर लिया...

ओह! चलो, मैं तुमको तुम्हारे घर तक छोड़ देता हूं, मिस...

शीना! मेरा नाम शीना है!

किस मजबूरी की वजह से तुमको यह पेशा अपनाना पड़ा, शीना?

मैं एक अच्छे घर की बेटी हूं, नागराज! एक केस में गवाही देने के कारण एक कमीने ने मेरे माता-पिता को बेदर्दी से कत्ल कर दिया...

...और उस वजह से आज मैं कैबरे-डांसर बन गई...
... और वह कमीना महानगर का सबसे बड़ा बॉस बन गया।
महानगर का सबसे बड़ा बॉस?
यानी- यानी तुम उस अपराधी को जानती हो?
कौन है वह?
मेरे घर में उसकी एक पुरानी फोटो रखी है।
अखबार में छपी थी। मेरे साथ घर चलो। मैं तुमको उसकी शक्ल दिखाती हूं।
और शीघ्र ही-
आओ नागराज आओ!
मैं लाइट जलाती हूं।
लाइट का स्विच दबा-
और नागराज के पैर के नीचे से जमीन सरक गई -
ओह
धड़ड़ड़ड़ड़ाम

कैसे हो नागराज?
कहीं चोट-वोट तो नहीं लगी?
तुमने मेरी जान किसी से नहीं बचाई नागराज! वे गुंडे मेरे ही आदमी थे।
और रही फोटो दिखाने की बात तो वह तुम सुप्रीम बॉस की खुद ही देख लोगे, अगर वहां पर पहुंचने तक जिन्दा रहे तो। गुडबाय नागराज!
ये क्या कर रही हो शीना? मैंने गुंडों से तुम्हारी जान बचाई थी!
गुडबाय नहीं शीना! मुझे इन दीवारों पर चढ़कर ऊपर पहुंचने में ज्यादा समय नहीं...
... ओह! मेरे हाथ लगाते ही दीवार से नुकीली कीलें बाहर निकल रही हैं...
खट
खट
... खाली दीवार से ऊपर चढ़कर जाने में खतरा है। न जाने कब कहां से कीलें निकल आएं... ओह!...
... फर्श बीच से फट रहा है...
घ र्र र्र

... और नीचे दहकता हुआ लावा है।

फर्श काफी तेजी से दीवार में समाता जा रहा है!

ऐसे तो मैं जल्दी ही इस दहकते लावे में गिर जाऊंगा।

न तो मैं खड़ा रह के बच सकता हूं और न ही दीवार पर चढ़कर।

सिर्फ एक ही रास्ता है! अगर वह काम कर जाए तो...

... मेरा काम बन जाएगा।

खट

मेरा ख्याल सही निकला! सांप के सामने वाली दीवार से लड़ते ही वहां पर भी एक नुकीली कील निकल आई।

और मैं इस नागरस्सी पर झूलकर दहकते हुए लावे को पार करता हुआ...
...दीवार को तोड़कर...
धड़ाम
...दीवार की दूसरी तरफ निकल जाऊंगा!
मेरा ख्याल सही निकला! इस दीवार को खोखला होना ही था, क्योंकि मेरे दुश्मन ने इसके अंदर कीलें फिट की हुई थीं!
अगर ये दीवार पोली न होती तो मैं इसको तोड़ न पाता।
धप
अब मुझे बाहर निकलना है। और इसके लिए मुझे रास्ता ढूंढ़ना...
तभी नागराज की आवाज को एक दूसरी आवाज ने खामोश कर दिया—
शाबाश नागराज! तूने पहली बाधा पार करके मेरा दिल खुश कर दिया! अगर तू इतनी आसानी से मर जाता तो मुझे सचमुच बहुत दुःख होता।

अरे! ये तो वही आवाज़ है, जो कार से बने रोबोट में से आ रही थी!
हां नागराज! मैं वही हूं। और तेरी मौत का यह नाटक मैंने ही लिखा है। और ये नाटक तेरी शक्तियां जानने के बाद ही लिखा गया है...
...तू गोलियों से नहीं मरता! चाकू, भालों, तलवारों का तुम पर असर नहीं होता। किसी भी जीवित प्राणी को तू अपनी विष-फुंकार से बेहोश कर सकता है। विष-दंश से मार सकता है।
लेकिन अगर तेरे शरीर का अंग, कोई अंग पूरी तरह से कट जाए तो वह फिर जुड़ नहीं सकता!
और अब तेरा एक अंग नहीं, बल्कि सारे अंग कटेंगे! और वह भी एक साथ...
...ऊपर देख!
ओह! यह तो एक धार-दार चाकू का जाल है...
...और यह मेरे ऊपर गिर रहा है।

कमरा चारों तरफ से सील हो गया है...

...टूटी हुई दीवार भी गायब हो गई है...

...बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है।...

...और न ही इस तेज धारदार जाल से बचने का!

मैं बच नहीं सकता! पर अपनी मौत को थोड़ी देर के लिए टाल तो सकता ही हूं।

शायद उतनी देर में बचने का कोई आइडिया सूझ जाए।

नागराज की बलशाली भुजाओं ने टनों भारी जाल के बीच में घुसकर उसे थाम लिया...

...और कुछ पलों के लिए जाल का गिरना थम गया—

वाह! नागराज, वाह! सचमुच तेरे शरीर में हजारों नागों का असाधारण बल है। लेकिन तू भी इस जाल को ज्यादा देर तक नहीं थाम सकता। यह जाल गिरेगा! जरूर गिरेगा! और तेरे टुकड़े-टुकड़े कर देगा नागराज!

मैं इस जाल को कुछ ही सेकेंड और थाम सकता हूं। लेकिन बचने का जो आइडिया मेरे दिमाग में आया है उसके लिए ये कुछ सेकेंड ही बहुत हैं।

अगले ही पल- नागराज की कलाइयों से सैकड़ों सांप नीचे टपकने लगे-
हा हा हा! ये सांप तुझे नहीं बचा पाएंगे नागराज! हां तेरे साथ कटकर मरेंगे जरूर! साथ जिए थे, साथ मरेंगे।
मेरे शरीर में नागों की ही शक्ति है, और नागों के निकलने के साथ-साथ मेरी शक्ति भी घटती जा रही है।
इस भार को मैं अब और उठा नहीं पाऊंगा।
ये धारदार जाल मेरी जान लेकर ही जाएगा!
और अगले ही पल- एक झटके के साथ वह भारी-भरकम और विशालकाय जाल, जमीन से आ सटा-
ठ-----------------------धम धम धम धम धम धम धम
ओह! बेचारा नागराज इस लड़ाई का दूसरा राउण्ड ही नहीं झेल पाया...
...कितने दुख की बात है! मेरे द्वारा तैयार किए गए आगे के राउण्ड तो बेकार ही चले गए।
लेकिन खुशी की बात यह है कि मुझे चुनौती देने वाला एक और मच्छर मसल दिया मैंने...
पीं पीं
पीं पीं
3
2
...यह क्या?
तीसरे राउण्ड से सिग्नल कैसे आ रहे हैं?
वहां पर कौन पहुंच गया?

अभी रिमोट से तीसरे राउंड का वीडियो-कैमरा ऑन करके देखता हूं।
क्लिक
लकवाग्रस्त सुप्रीम हेड ने, न जाने कैसे रिमोट से टी॰वी॰ स्क्रीन को चालू किया —
और तीसरे राउण्ड में पहुंचने वाले को देखकर, सुप्रीम हेड की आंखें फैलती चली गईं —
नागराज! ये...ये धारदार मौत से बच गया! कैसे?
ऐसे बचा था नागराज —
ओह! बाल-बाल बचा! अगर जाल के नीचे गिरने के ठीक पहले, मेरे नाग फर्श में छेद न कर देते तो आज नागराज के बजाय नागराज के टुकड़े ही मिलते!
लेकिन यह मैं कहां पर आ गया हूं?...
...उस गोल कॉरीडोर से रोशनी आ रही है। यह बिल्डिंग से बाहर निकलने का रास्ता भी हो सकता है, और मौत तक पहुंचने का भी।
खैर! कुछ भी हो! यहां खड़े रहने से तो अच्छा है कि इसके अंदर घुसकर किस्मत की आजमाइश की जाए।

किस्मत की आजमाइश अगले ही पल हो गई –

अरे ! ये कॉरीडोर का दरवाजा क्यों बंद हो गया ?

धड़ाम

हा हा हा ! दरवाजा बंद इसलिए हो गया, क्योंकि ये तेरे ताबूत का ढक्कन है। अपने-आप को अभी से मरा हुआ समझ ले नागराज !…

…क्योंकि इस वक्त तू मुकाबले के तीसरे राउण्ड में है। और यह राउण्ड शुरू ही होता है… मौत के धमाके से ! …

… तू जिस जगह पर खड़ा हुआ है नागराज, वह एक विशालकाय रिवॉल्वर की नली है… इसके चैम्बर में पूरी छह गोलियां भरी हैं। …

…सामने देख !

एक गोली, रिवॉल्वर के चैंबर में से झांक रही है। कुछ ही सेकेंड बाद यह गोली, पूरी नाल को घेरती हुई चलेगी…

...और तेरे चिथड़े उड़ जाएंगे! लेकिन गोलियां रुकेंगी नहीं। पूरी की पूरी छः गोलियां चलेंगी...
...क्योंकि मैं चाहता हूं कि तीसरे राउण्ड से तेरा कीमा ही बाहर निकले!
ओह! यह तो एक फूलप्रूफ जाल लगता है। जिन्दा बाहर निकलना असंभव लगता है...
...और मेरे पास जिन्दगी के सिर्फ कुछ सेकेंड बचे...
अरे!... यह क्या है? लोहे का एक टुकड़ा नीचे दब रहा है...
...शायद यह बाहर निकलने का रास्ता हो... नहीं...
...यह ट्रिगर का ऊपरी हिस्सा है। अगर मैंने इसको दबाकर बाहर निकलने की कोशिश की तो गोली चल जाएगी!
और बाहर जाने से पहले ही मेरे चिथड़े उड़ जाएंगे!
इस रास्ते से बाहर निकलने के लिए मुझे पहले गोलियों को खत्म करना होगा!
और उस काम में यह दबने वाला हिस्सा मेरी बहुत मदद करेगा!
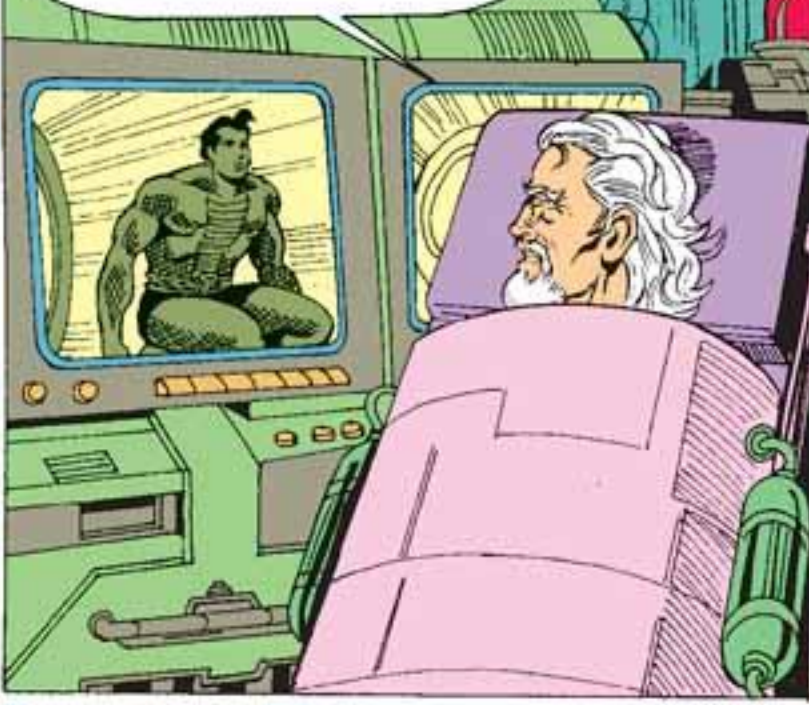
... कुछ ही पलों में ट्रिगर दबेगा, ट्रिगर का यह ऊपर वाला हिस्सा भी दबेगा...
...गोली चलेगी...
...लेकिन उस वक्त मैं ट्रिगर के दबने से, बने इस गड्ढे के अंदर सुरक्षित रहूंगा...
...गोली चलने के तुरन्त बाद रिवॉल्वर का सिलेंडर घूमेगा, ताकि अगली गोली, खाने के सामने आ जाए।...
धांयययय...
...और उसी एक नाजुक क्षण में मैं सिलेंडर घूमने के ठीक पहले गोली चल चुके खाने में घुस जाऊंगा।...
...गोलियां चलती रहेंगी, लेकिन मैं गोल घूमते सिलेंडर में सुरक्षित रहूंगा...
...और गोलियां खत्म हो जाने के बाद शुरू होगा नागराज का खेल...
धांय..
धांय.... धांय...धांय..धांय...

गोलियों के धमाके के साथ-साथ किसी के ठहाके भी गूंज रहे थे-
हा हा हा !
मैं जानता था कि नागराज तो नागराज, यमराज तक मेरे तीसरे राउण्ड के रिवॉल्वर से नहीं बच सकता ! इसीलिए मैंने चौथा राउण्ड बनाया ही नहीं था...
... मेरे अपराध-साम्राज्य को खत्म करने चला था वह मच्छर !
सुप्रीम हेड के राज्य को खत्म करना चाहता था...
... लेकिन नागराज को ले गया यमराज !
कौन मानेगा कि असाधारण नागशक्तियों से युक्त नागराज का एक अपंग आदमी ने कीमा बना दिया !
कोई नहीं मानेगा सुप्रीम हेड ! क्योंकि तुमने नागराज को मारा ही नहीं है।
नागराज ! तू... तू जिन्दा कैसे बच गया ?

तुमने अपने राउण्डों में सब-कुछ लगाया था सुप्रीम-हेड, लेकिन दिमाग नहीं लगाया था...
...दिमाग मैंने लगाया, और उसके सामने तुम्हारे मौत के राउण्ड ठहर नहीं सके।
रिवॉल्वर के ट्रिगर के रास्ते मैं यहां तक आ गया, और फिर तुम्हारे बड़बड़ाने ने मुझे तुम्हारे बारे में सब-कुछ बता दिया।
अब समस्या तो यह है, कि मैं तुम्हारा क्या करूं! तुम अपंग हो, और अपंगों पर नागराज वार नहीं करता।
सुप्रीम हेड अपंग जरूर है, लेकिन असहाय नहीं है, नागराज!
और यह तू अभी देख लेगा!
नागराज के संभलने से पहले ही, सुप्रीम हेड की सवारी तेजी से आगे लपकी –
?
और नागराज के शरीर से आ टकराई –
टक्कर, किसी टैंक के टक्कर जैसी थी –
धड़ाक
आ ऽऽऽऽऽ ह
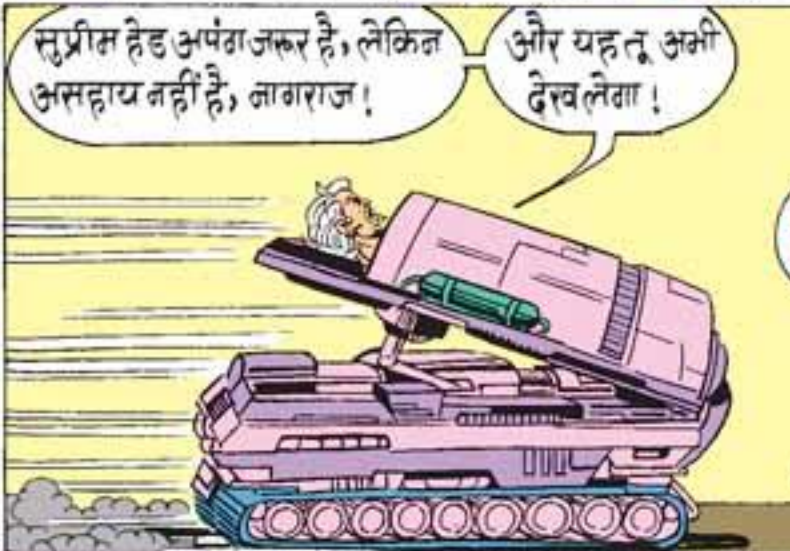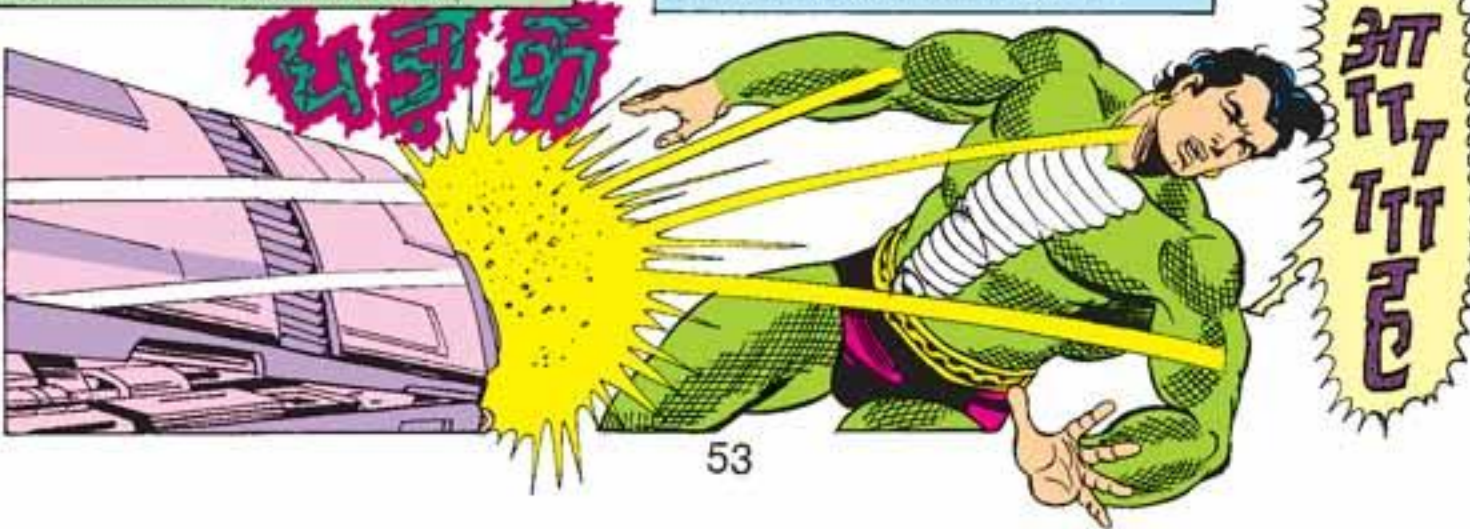
कुछ पलों के लिए, नागराज का सिर चकरा गया—
इसको इस बात का आभास ही नहीं था कि एक 'लेसर-गन' उसकी तरफ तन चुकी है।
रिमोट कंट्रोल से गन का ट्रिगर दबा...
...लेकिन नागराज तक नहीं पहुंच पाया—
कड़ाक
आह! धन्यवाद सौडांगी! तुमने एक बार फिर मेरी जान बचाई...
...अब तुम वापस मेरे शरीर में प्रवेश कर जाओ! अब मैं इस 'हेड' के चक्कर में नहीं आऊंगा!...
...लेकिन इसको अपने चक्कर में जरूर फांसूंगा!
अब तेरा खेल भी खत्म हुआ सुप्रीम हेड, और तेरा अपराध-साम्राज्य भी!
हिस्स
ईस्स
ईस्स

लेकिन सुप्रीम हेड के पास पहुंचने से पहले ही नाग, राख के ढेर में बदल गये –
यह क्या? इसके तो चारों तरफ कोई सुरक्षा-घेरा सा बना हुआ लगता है।
हां, नागराज! मैंने अपने चारों तरफ लेसर-किरणों का जाल बिछा रखा है! वैसे तो मैं चाहता था कि तू खुद मुझ पर हमला करे…
…ताकि मेरे पास आते ही तू जलकर भस्म हो जाए। लेकिन तेरे नागों ने तुझे बचा लिया! और अब मेरी रिमोट-कंट्रोल लेसर गनें तुझे जिन्दा नहीं छोड़ेंगी!
इससे पहले मैं तुझे बेबस कर दूंगा!
मेरे नाग, लेसर-जाल के पार नहीं जा सकते!
लेकिन मेरी विष-फुंकार को ये जाल नहीं रोक पाएगा!
फ़ू ऊ ऊ
तेरी सारी शक्तियां जानने के बाद ही मैंने तुझे यहां पर बुलाया है, नागराज।
मेरे पास तेरी विष-फुंकार का भी इंतजाम है।
क्लिक
सुप्रीम हेड ने, न जाने कैसे रिमोट चालू किया…
…और एक 'सक्शन-पंप' चालू हो गया –
नागराज की विष फुंकार उसी में खिंच कर रह गई –

तूने अपनी सारी शक्तियों को आजमा लिया नागराज!
अब तू मरने से पहले सुप्रीम हेड की शक्तियां देखले!
ओह! लेसर गनें फिर से शुरू हो गईं। पर कैसे?
सुप्रीम हेड जरूर इनको रिमोट कंट्रोल से संचालित कर रहा है।
लेकिन कैसे?
एक अपंग आदमी, जिसका पूरा शरीर हिल तक नहीं सकता, वह भला रिमोट कैसे चला सकता है! सुप्रीम हेड को हराने के लिए इस सवाल का जवाब पाना बहुत जरूरी है...
... यह सिर्फ बोल सकता है! और कुछ...
वाह! मुझे अपने सवाल का जवाब मिल गया! मैं समझ गया कि सुप्रीम हेड रिमोट कैसे चलाता है!
ओह! इसको मारने के चक्कर में, मैं अपने ही लेसर से अपने ही यंत्रों को नष्ट कर रहा हूं!
इसको दूसरे तरीके से मारना पड़ेगा!

अगले ही पल- सुप्रीम हेड के कवच से कई तलवारें चमक उठीं-
खट
खट
खट
खट
खट
खट
और नागराज के शरीर को निशाना बनाकर लहराने लगीं-
ओह! अगर ये तलवारें मुझसे छू भी गईं तो मेरे टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे!...
सांय
...और मेरे अंग कटने के बाद फिर जुड़ नहीं सकते!
मुझे सुप्रीम हेड के रिमोट को जल्दी से जल्दी नष्ट करना होगा! और उसके लिए मुझे 'हेड' के हेड तक पहुंचना होगा!...
...पर इसके लेसर कवच का क्या करूं?
सांय
ये लेसर कवच तो यह मेरे मरने के बाद ही बंद करेगा...
...इसीलिए सबसे पहले मैं मरने का इंतजाम कर लूं!
नागराज की आंखें, पलभर के लिए सुप्रीम हेड की आंखों से टकराईं...
...और अगले ही पल- एक तलवार नागराज के शरीर से आ टकराई-
खच्च
ईं
या

तलवारें घूमती रहीं, और दर्द से तड़पते नागराज के अंग कट-कट कर गिरते रहे–
और यह तड़पन नागराज की गर्दन कटने के साथ ही समाप्त हुई–
हा हा हा! मर गया नागराज! काट डाला मैंने नागराज को!
यह शायद मेरे मौत के राउण्डों से इसीलिए बच गया था, क्योंकि इसकी किस्मत में तलवारों से कट-कर मरना लिखा था!

अब मुझे लेसर स्क्रीन की कोई जरूरत नहीं है ... और शायद अब कभी पड़ेगी भी नहीं !

सुप्रीम हेड ने लेसर-स्क्रीन ऑफ की...

... और अगले ही पल - एक जोरदार घूंसे ने उसके सारे दांतों को जड़ से हिला दिया -

और दूसरे घूंसे ने जड़ से हिले दांतों को जड़ से उखाड़ दिया -

ना... नागराज ! तुम... तुम फिर से जिन्दा बच गए ?

कटने के बाद भी !

मैं कटा कब था, सुप्रीम हेड ! वह तो मेरा सम्मोहन था, जिसने तुमको मेरी भयानक मौत का दृश्य दिखाया ! मैं जानता था कि मुझे मरा समझकर तुम लेसर स्क्रीन जरूर बंद कर दोगे ...

... और तब मैं तुम्हारे पास आकर, तुम्हारे दांतों को आराम से तोड़ सकूंगा ! क्योंकि यह मैं समझ चुका था कि तुम्हारे सारे रिमोट-कंट्रोल तुम्हारे दांतों में लगे हैं, जिनको तुम जीभ से दबाकर चलाते हो !

तो तू समझता है तूने सुप्रीम हेड को खत्म कर दिया है, नागराज ? नहीं नागराज नहीं ! तूने मुझे सिर्फ एक छोटी सी शिकस्त दी है। ...
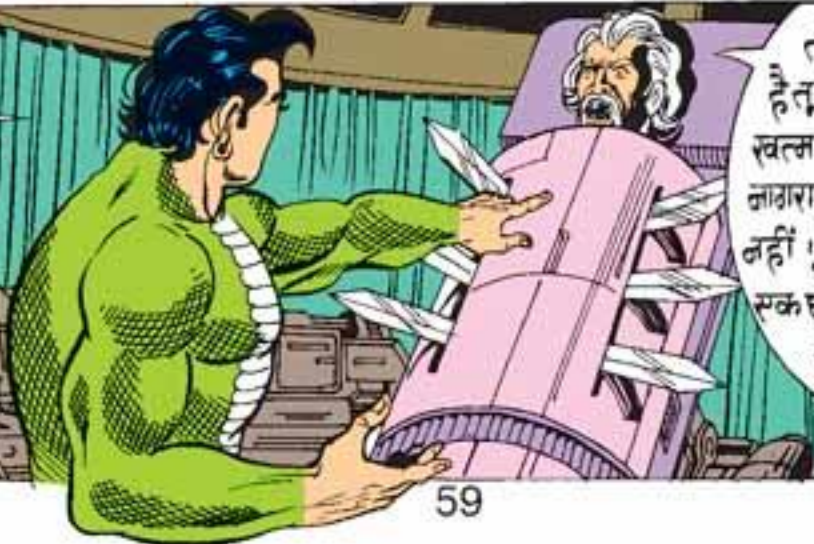
सुप्रीम हेड इस वक्त असहाय जरूर है। लेकिन मैं वापस आऊंगा, जरूर आऊंगा, और पहले से ज्यादा शक्तिशाली बन-कर वापस आऊंगा...
...इतना समय तू अपना कफन खरीदने में इस्तेमाल कर ले। नागराज!
सुप्रीम हेड ने अपनी ठोड़ी से काले कपड़े को एक खास जगह पर दबाया...
...अगले ही पल दीवार में एक दरवाजा खुल गया—
और सुप्रीम हेड की सवारी उसमें समा गई—
?
नागराज के दीवार तक पहुंचने तक दरवाजा बंद हो चुका था—
ओह! बच निकला वह सुप्रीम हेड! लेकिन मैंने उसके दांत तो तोड़ ही दिए हैं।
फिलहाल वह देश और समाज के लिए कोई खतरा नहीं है।
और जब तक वह वापस आएगा, तब तक मैं उसका कोई न कोई इलाज सोच ही लूंगा।
लेकिन खतरा इस वक्त समाज और देश पर ही नहीं, पूरे विश्व पर मंडरा रहा था—
क्योंकि इसी वक्त- अंतरिक्ष में तैरती 'भारती-कम्युनिकेशन' की सेटेलाइट के पास—
यह सेटेलाइट हमारे काम के लिए एकदम उपयुक्त है। यही हमारा वह हथियार होगा, जिससे हम इस पृथ्वी को अपना गुलाम बनाएंगे। और इसकी शुरुआत होगी इस पृथ्वी के महानगरों की तबाही से।
समाप्त.